न्यूज डायरी

ईरान के सांस्कृतिक स्थलों पर हमले की ट्रंप की धमकी से पेंटागन ने दूरी बनाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के ईरान के सांस्कृतिक स्थलों को निशाना बनाने वाले बयान से सोमवार को पेंटागन ने दूरी बना ली। बता दें कि इस तरह के हमलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध है। रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कहा कि अमेरिका सैन्य संघर्ष के नियमों का पालन करेगा। उनसे पूछा गया कि क्या इसका मतलब यह होगा कि सांस्कृतिक स्थलों को निशाना नहीं बनाया जाएगा तो इस पर एस्पर ने कहा, 'सैन्य संघर्ष का यही नियम है।' राष्ट्रपति और पेंटागन प्रमुख के बीच यह मतभेद ऐसे वक्त सामने आया है जब ईरान के कुद्स बलों के प्रमुख जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत के बाद अमेरिका और तेहरान के बीच तनाव बेहद बढ़ गया है।

अमेरिका ने जहाजों को ईरान की संभावित कार्रवाई को लेकर चेताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका सरकार ने पश्चिम एशिया के जलक्षेत्र में जहाजों को आगाह किया है कि क्षेत्र में अमेरिकी समुद्री हितों के खिलाफ ईरान की ओर से कार्रवाई की आशंका है। अमेरिकी समुद्री प्रशासन ने मंगलवार को यह चेतावनी जारी की। इसमें ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड जनरल कासिम सुलेमानी के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद पैदा होते खतरे का हवाला दिया गया है। पिछले साल बारुदी सुरंग विस्फोटों में तेल टैंकरों पर हमला किया गया था जिसके लिए अमेरिका ने ईरान को जिम्मेदार ठहराया था।

हिंदू रक्षा दल ने जेएनयू परिसर में हुए हमले की जिम्मेदारी ली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। दक्षिणपंथी समूह हिंदू रक्षा दल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जेएनयू परिसर में हुए हमले की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली है। यह वीडियो, सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था और फिर यह वायरल हो गया। इस वीडियो में एक व्यक्ति खुद को पिंकी चौधरी बताते हुए कह रहा है कि जो लोग "राष्ट्रविरोधी गतिविधियों" का सहारा लेंगे, उनके साथ जेएनयू छात्रों और अध्यापकों जैसा ही सलूक किया जाएगा। इस व्यक्ति ने बाद में समाचार चौनलों से कहा कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त अन्य लोगों को इसी तरह के हमलों का सामना करना पड़ेगा। बहरहाल, चौधरी के दावों पर पुलिस की कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं आई।

इराक से कुछ सैनिकों को वापस बुलाएगा जर्मनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। जर्मनी के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वह इराक में आईएस रोधी गठजोड़ के तहत तैनात अपने कुछ सैनिकों को वापस बुलाएगा। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि बगदाद तथा ताजी में ठहरे करीब 30 सैनिकों को जॉर्डन और कुवैत भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि वापसी जल्द शुरू होगी। जर्मनी ने आईएस रोधी गठजोड़ के तहत करीब 415 सैनिक तैनात किये हैं। इनमें से करीब 120 सैनिक इराक में तैनात हैं। इराक की संसद ने एक प्रस्ताव पारित कर सरकार से अमेरिका नीत गठबंधन के साथ समझौते को समाप्त करने को कहा था। इसके बाद जर्मनी का यह कदम सामने आया है।

भारतीय मूल की दो महिलाएं न्यूयॉर्क में न्यायाधीश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर बिल डे ब्लासियो ने भारतीय मूल की दो महिला वकीलों को आपराधिक और दीवानी अदालतों में न्यायाधीश नियुक्त किया है। न्यायाधीश अर्चना राव को आपराधिक अदालत में और न्यायाधीश दीपा अंबेकर (43) को दीवानी अदालत में नियुक्त किया गया है। राव को इससे पहले जनवरी 2019 में दीवानी अदालत में अंतरिम न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यूयॉर्क काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय में वह 17 साल से अपनी सेवाएं दे रही हैं।

कासिम सुलेमानी की बेटी ने दी अमेरिकी सैनिकों को धमकी

कहा, अमेरिकी सैनिक अब अपने बच्चों की मौत के इंतजार में दिन गिनेंगे

धमकी

जैनब सुलेमानी ने कहा कि मेरे पिता की मौत यूं जाया नहीं जा सकती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान के शीर्ष कमांडर जनरल सुलेमानी के अंतिम संस्कार की रस्मों के दौरान उनकी बेटी काफी भावुक दिखीं। पिता के अंतिम संस्कार के दौरान सुलेमानी की बेटी ने प्रेजिडेंट डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना को खुले आम धमकी दी। देश की राजधानी में आयोजित सामूहिक प्रार्थना के दौरान उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में रह रहे अमेरिकी सैनिक अब अपने बच्चों की मौत के इंतजार में दिन गिनेंगे।

सुलेमानी की बेटी ने दी अमेरिका को धमकी: जैनब सुलेमानी ने कहा कि मेरे पिता की मौत यूं जाया नहीं जा सकती। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों को धमकी देते हुए कहा, शमिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैनिक अब अपने बच्चों की मौत के दिन का इंतजार करेंगे। ईरान के शीर्ष नेता, संसद सदस्य भी सुलेमानी की मौत का बदला लेने की बात कई बार कह चुके हैं। ईरान की संसद ने अमेरिकी फौज और पेंटागन को आतंकी संगठन घोषित करने के पक्ष में मतदान किया।

ट्रंप लगातार दे रहे ईरान-इराक को धमकी: ईरान में सुलेमानी की जगह लेनेवाले कमांडर ने भी जैनब की धमकी का समर्थन किया। तेहरान ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि अब 2015 परमाणु समझौते की शर्तों और बाध्यताओं को ईरान नहीं मानेगा। इराक की संसद ने भी अमेरिकी सेना को देश से निकालने के समर्थन में मतदान किया है। हालांकि, ईरान के सख्त तेवरों के जवाब में प्रेजिडेंट ट्रंप ने भी बहुत आक्रामक रुख अपनाया है। ट्रंप ने इराक पर भारी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान को भी किसी अमेरिकी प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

ईरानी संसद में अमेरिका-इजरायल के विरोध में नारे: अमेरिका के हमले में ईरान के शीर्ष कमांडन जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद से ईरान में भारी गम और गुस्से का माहौल है। इस बीच देश की संसद ने अमेरिकी सेना और पेंटागन को आतंकी संगठन घोषित करने के समर्थन में मतदान किया। ईरान की मीडिया के अनुसार, बिल पास करने से पहले अमेरिका और इजरायल की निंदा की गई। सांसदों ने सुलेमानी की हत्या का बदला लेने और अमेरिका–इजरायल को सबक सिखाने का संकल्प लिया। इससे पहले पांच जनवरी को संसद में सांसदों ने अमेरिका की मौत के नारे लगाए थे।

एफएटीएफ के मानक पूरे करने का प्रस्ताव नैशनल असेंबली में पारित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नैशनल असेंबली में फाइनेंशल ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के मापदंडों को पूरा करने के लिए दुनिया के देशों के साथ सूचना और अपराधियों के आदान–प्रदान से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक पारित कर दिया है। डॉन न्यूज के अनुसार, सोमवार को प्रारंभ में विपक्षी दलों ने स्पीकर असद कैसर द्वारा एक ध्वनि मत पर दिए गए उस आदेश को चुनौती देकर विधेयक को बाधित करने की कोशिश की थी।

विपक्षी दलों ने संसदीय मामलों के राज्यमंत्री अली मुहम्मद खान को विधेयक पेश करने की अनुमति दी थी। हालांकि, 87 मतों के मुकाबले 83 मतों से पराजित होने के बाद विपक्षी दलों ने प्रक्रिया में हिस्सा लिया और चार मामूली संशोधन पेश किए। मंत्री ने जैसे ही सदन में म्यूचुअल लीगल असिस्टेंट (क्रिमिनल मैटर) विधेयक 2019 पेश करना चाहा तो हंगामा शुरू हो गया।

विपक्ष ने मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताया विधेयक को पीपीपी के संसदीय दल के नेता सईद नवीद कमर ने इस कानून को पाकिस्तान के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद सरकार दूसरे देशों से सूचना पा सकेगी।

ईरानी जनरल सुलेमानी के जनाजे में मची भगदड़, 35 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) करमान (ईरान)। अमेरिकी हमले में मारे गए ईरान के ताकतवर जनरल कासिम सुलेमानी को आखिरी विदाई देने के लिए मंगलवार को उनके गृह नगर करमान की सड़कों पर लाखों लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान मची भगदड़ में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई, जबकि 48 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुलेमानी के जनाजे के जुलूस में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। करमान में रेवॉल्यूशनरी गार्ड की विदेशी शाखा के कमांडर के गृह नगर में बहुत बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने आए।

ईरान की संसद ने यूएस आर्मी को घोषित किया आतंकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ईरान–अमेरिका के बीच तनाव पहुंचा चरम पर

तेहरान। अमेरिका के हमले में ईरान के शीर्ष कमांडन जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद से ईरान में भारी गम और गुस्से का माहौल है। इस बीच देश की संसद ने अमेरिकी सेना और पेंटागन को आतंकी संगठन घोषित करने के समर्थन में मतदान किया। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, सांसदों ने सुलेमानी की हत्या के विरोध में यह प्रस्ताव पास किया। अमेरिका और ईरान के शीर्ष नेता एक–दूसरे के खिलाफ इस वक्त बहुत सख्त बयानबाजी कर रहे हैं।

ईरान की मीडिया के अनुसार, बिल पास करने से पहले अमेरिका और इजरायल की निंदा की गई। सांसदों ने सुलेमानी की हत्या का बदला लेने और अमेरिका–इजरायल को सबक सिखाने का संकल्प लिया। इससे पहले पांच जनवरी को संसद में सांसदों ने अमेरिका की मौत के नारे लगाए थे। इससे पहले सोमवार को भी सुलेमानी की अंतिम यात्रा के दौरान लोगों का हुजूम तेहरान की सड़कों पर उतरा। हाथों में प्लेकार्ड लेकर पहुंचे लोगों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

तेहरान यूनिवर्सिटी में सुलेमानी के आखिरी दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग सोमवार को पहुंचे। स्थानीय निवासी अपने कमांडर के पोस्टर लेकर आए थे और जोर–जोर से नारे भी लगा रहे थे। अपने कमांडर को आखिरी विदाई देते हुए देश के सर्वोच्च नेता खामनेई बहुत भावुक हो गए और रोने लगे। नमाज के दौरान भी उनकी आवाज कई बार रुंध गई।

बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर शुक्रवार को अमेरिकी ड्रोन हमले में सुलेमानी की मौत हो गई। हमला ईरान के लिए बहुत बड़ा झटका है और इसने पश्चिम एशिया में नए सिरे से युद्ध की आशंकाओं बढ़ा दिया है। ईरान ने 2015 परमाणु समझौते से अलग होने का ऐलान किया है।

भारी भूकंपीय गतिविधि के बीच प्यूर्तो रिको में 6.4 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैन जुआन। अमेरिकी क्षेत्र प्यूर्तो रिको में मंगलवार सुबह 6.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। इस इलाके में पिछले कई दिन से आ रहे भूकंपीय झटकों में आज का झटका सबसे भीषण था। इससे कई इलाकों में भारी नुकसान होने की खबर है। प्यूर्तो रिको के बिजली प्राधिकरण ने ट्विटर पर कहा कि भूकंप के कारण देश के मुख्य बिजली संयंत्रों में से एक नष्ट हो गया। भूकंप का केंद्र इस संयंत्र के पास ही था। प्राधिकरण ने दिन के उत्तरार्ध में बिजली आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद जताई। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप सुबह चार बजकर 24 मिनट पर आया जो द्वीप के दक्षिण में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। इसने शुरू में भूकंप की तीव्रता 6.6 बताई, लेकिन बाद में इसकी तीव्रता 6.4 बताई। इसने कहा कि आज का भूकंप 5.6 और 4.5 तीव्रता के झटकों के बाद आया। प्यूर्तो रिको और यूएस वर्जिन आईलैंड्स के लिए शुरू में सुनामी की चेतावनी जारी की गई, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया गया।